

नदी आई नहीं, गांव बसा नहीं ... मगर और गिद्धों की निगाहें शिकार पर !

कुणाल जादौन
श्योपुर, 04 सितंबर। पंचायती राज व्यवस्था में गांव की सरकार का मूल आधार ‘ग्राम सभा’ होती है, जहां गांव के लोग बैठकर तय करते हैं कि उन्हें नाली चाहिए, पेयजल चाहिए या सड़क। लेकिन श्योपुर जिले के ग्रामीण अंचलों में जमीनी हकीकत इसके ठीक उलट है। यहां कहावत चरितार्थ हो रही है नदी आई नहीं, गांव बसा नहीं मगर और गिद्धों की निगाहें पहले ही शिकार पर टिक गई।

16वें वित्त आयोग से वर्ष 2027-28 के लिए मिलने वाली करोड़ों रुपये की विकास राशि के लिए वार्षिक कार्य योजना तैयार करने की कवायद चल रही है। ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर 15 सितंबर 2026 तक इसे अपलोड करने की समय-सीमा तय है। नियम अनुसार यह कार्य योजना गांव में खुली ग्राम सभा आयोजित कर 70 प्रतिशत ग्रामीणों की मौजूदगी और प्रस्तावों के आधार पर तैयार होनी चाहिए थी, लेकिन जिले की पंचायतों में यह योजना गांव के चौपाल पर नहीं, बल्कि कस्बों की ऑनलाइन दुकानों और बंद कमरों में चाय की चुस्कियों के बीच तैयार की जा रही है। **टाइडऔर अनटाइड फंड का पूरा गणित**
ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर पंचायतों की कार्य योजना को दो मुख्य श्रेणियों में विभाजित किया जाता है –

मद का प्रकारनिर्धारित कार्य क्षेत्र जमीनी

विजयपुर में निकली भव्य कलश वंदन यात्रा

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 04 सितंबर। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के 650वें जयंती वर्ष के पावन एवं ऐतिहासिक अवसर पर प्रदेश स्तरीय ‘समरसता संकल्प अभियान’ के अंतर्गत विजयपुर नगर में श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ भव्य ‘कलश वंदन यात्रा’ का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर वातावरण संत रविदास जी महाराज के जयघोषों से गुंजायमान हो उठा। पवित्र कलश का विधि-विधान से पूजन किया गया तथा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज का जीवन समानता, समरसता, सामाजिक न्याय, मानवता और भाईचारे का अनुपम संदेश है। उन्होंने अपने विचारों और कर्मों से समाज को यह मार्ग दिखाया कि मनुष्य की पहचान उसके जन्म से नहीं, बल्कि उसके कर्म और चरित्र से होती है। उनके आदर्श आज भी एक समतामूलक और सशक्त समाज के निर्माण की प्रेरणा देते हैं।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने संत रविदास जी महाराज के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा समाज में सद्भाव, समरसता और एकता को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस गरिमामय अवसर पर वन विकास निगम के अध्यक्ष रामनिवास रावत, पूर्व विधायक बाबूलाल मेवरा, सहरया विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष तुरसपाल बैरैया, भाजपा जिला महामंत्री अरविंद सिंह जादौन, जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा श्रीधर गुजर, जिला



उपाध्यक्ष परीक्षित धाकड़, नगर पंचायत अध्यक्ष विजयपुर कमलेश कुशवाह, जिला सह-कोषाध्यक्ष अखिलेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष शुभम मुदगल, अगरा मंडल अध्यक्ष रामलखन कुशवाह, विजयपुर मंडल महामंत्री हाकिम कुशवाह, मुकेश जाटव, लायकराम श्रीवास सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विजयपुर नगर के वार्ड क्र. 07 में भारत रत्न, सॉवधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं प्रबुद्धजन संगोष्ठी के साथ किया गया।

45.60 मिली मी . औसत वर्षा दर्ज

श्योपुर, 04 सितंबर। जिले में 04 सितंबर को 45.60 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार दिनांक 04 सितंबर को श्योपुर में 64, बड़ौदा में 31, कराहल में 28, विजयपुर में 65, वीरपुर में 40 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है। इस वर्ष दिनांक 01 जून 2026 से अभी तक जिले में कुल 586.22 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इस अवधि तक 1441.46 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की औसत की वर्षा 822 मिली मीटर है।

बड़े स्कूल की भूमि पर बनेगा ‘सीवर ट्रीटमेंट प्लांट’ या बदली जाएंगी जगह

बड़ौदा क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी विद्यालय भूमि

श्योपुर, 04 सितंबर। जिस विद्यालय को सांदीपनी विद्यालय घोषित कर सी.एम. राईज विद्यालय बनाने के आदेश पर भाग्य 02 वर्ष पूर्व मध्य प्रदेश शासन के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दिये गये, उस विद्यालय की भूमि सर्वे क्र. 1739 रकबा 0.136 हैक्टेयर लगभग 14 विस्था भूमि को न्यायालय जिला कलेक्टर द्वारा अनुपयोगी बताते हुए नगर परिषद बड़ौदा को बिना स्कूल शिक्षा विभाग की अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किये सीवर ट्रीटमेंट प्लांट बनाने हेतु स्थानांतरित कर म.प्र. शासन के मुख्यमंत्री के आदेश की अवहेलना कर दी गई, जबकि शासकीय नियमानुसार घनी बस्ती के बीच या शासकीय विद्यालय की भूमि पर सीवर ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जाना पूरी तरह से अवैधानिक है, जबकि मुख्यमंत्री के आदेश

16वें वित्त आयोग की राशि आने से पहले ही कागजी योजनाओं का खेल शुरू

हकीकत : **टाइड ग्रांट** – पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता, टोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन हैंडपंप सुखे पड़े हैं, नालियां चौक हैं और गांवों में गंदगी का अंबार है।

अनटाइड ग्रांट: सीसी सड़क, नाली निर्माण, रपटा, पुलिया एवं अन्य स्थानीय बुनियादी ढांचेकेवल चढ़ते स्थानों का चयन, गुणवत्ताविहीन निर्माण और अधूरे पड़े प्रोजेक्ट।

जनसंख्या और क्षेत्रफल के मान से प्रत्येक ग्राम पंचायत को 40-50 लाख रुपये से लेकर 1 करोड़ रुपये तक की भारी-भरकम राशि आवंटित होती है। सवाल यह उठता है कि जब कार्य योजना में ही जनता की वास्तविक जरूरतें शामिल नहीं होंगी, तो इस बजट का लाभ अंतिम छोर पर खड़े ग्रामीण तक कैसे पहुंचेगा ?

ऑनलाइन दुकानों पर ‘केद’ हुआ पंचायती राज

ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर और पारदर्शी बनाने के दावों की हवा श्योपुर के बाजार और ऑनलाइन दुकानों सेटरो पर निकलती देखी जा सकती है। सरपंच और सचिव ग्रामीणों की प्राथमिकताओं को दरकिनार कर अपनी मर्जी से मनगढ़त कार्य योजनाएं पोर्टल पर दर्ज करा रहे हैं।

ग्रामीणों की बुनियादी जरूरतें

जैसे शुद्ध पेयजल, कीचड़ से मुक्ति, पक्की नालियां, मुक्तिधाम की व्यवस्था/कागजों से बाहर कर दी जाती है। उनकी जगह उन कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है जिनमें कमीशनखोरी और राशि के आहरण-वितरण में आसानी हो। योजना तैयार होते ही पूरे साल भर के लिए सरकारी धन की बंदरबांट की जमीन तैयार कर ली जाती है।

236 पंचायतों में लाखों के कंप्यूटर ‘शोपीस’, काम निजी हाथों में : श्योपुर जिले के तीनों विकासखंडों की स्थिति पर नजर डालें तो तंत्र की उदासीनता स्पष्ट दिखती है।

श्योपुर विकासखंड : 96 ग्राम पंचायतें
विजयपुर विकासखंड : 88 ग्राम पंचायतें
कराहल विकासखंड : 52 ग्राम पंचायतें
कुल पंचायतें : 236

शासन ने डिजिटल सशक्तिकरण के नाम पर प्रत्येक पंचायत में ग्राम रोजगार सहायक की तैनाती की है और करीब 1-1 लाख रुपये खर्च कर डेस्कटॉप, लैपटॉप, हाई-स्पीड इंटरनेट, प्रिंटर और स्कैनर उपलब्ध कराए हैं। इसके बावजूद पंचायतों के इन उपकरणों पर धूल जम रही है और वे केवल शोपीस बनकर रह गए हैं। पंचायत भवन के

प्रशासनिक जवाबदेही पर बड़ा सवाल

15 सितंबर 2026 की समय-सीमा सिर पर है। अब देखना यह है कि क्या जिला प्रशासन और पंचायत विभाग के आला अधिकारी इस खुली धांधली का संज्ञान लेते हुए मौके पर जांच दल भेजेंगे, या फिर हर बार की तरह इस बार भी 16वें वित्त आयोग की करोड़ों की राशि कागजी कार्य योजनाओं की भेंट चढ़कर भ्रष्टाचार के गर्त में समा जाएगी।

पेयजल योजनाओं के कार्य समय पर पूर्ण कराएं

सीहोर 4 सितंबर. कलेक्टर बालागुरु के ने जिले में जल निगम एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित एवं निर्माणाधीन पेयजल योजनाओं की समीक्षा की. उन्होंने ने विभागवार एवं योजनावार कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए संचालित योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल प्रदाय की स्थिति की समीक्षा की. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को नियमित एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराया जाए तथा पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न होने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए. कलेक्टर ने निर्माणाधीन पेयजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराए जाएं निर्माण कार्यों में निर्धारित मापदंडों के अनुरूप गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा कार्यों को नियमित रूप से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए. योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का अधिकारी आपसी समन्वय से निराकरण करते हुए कार्यों में गति लाने को कहा.

वाहन चोरों पर पुलिस ने कसा शिकंजा, तीन पकड़े

भैरूदा/रेहटी 4 सितंबर. वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए जारी अभियान के तहत भैरूदा और रेहटी पुलिस को सफलता मिली है. पुलिस ने बाइक चोरी के मामलों का खुलासा करते हुए कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के कब्जे और निशानदेही से चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं,

जानकारी के अनुसार 17 अगस्त को अमर पिता दीपक सिंह ने भैरूदा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि बस स्टैंड प्रतीशालय के पास से अज्ञात आरोपी उसकी बाइक चोरी कर ले गया. पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की. जानकारी के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान रामविलास साहू उर्फ कल्लू पिता मदनलाल साहू निवासी कन्नौद जिला देवास के रूप में की. आरोपी को गिरफ्तार कर बाइक बरामद की.

हैं उनके स्वास्थ्य और शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव हम नहीं पड़ने देंगे, नगर परिषद का यह निर्णय क्षेत्र के विद्यार्थियों के साथ नागरिको के हित मे नही है, हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री जनता का जनता द्वारा जनता के लिये बनाये गये शासन मे विश्वास रखते है तो इस प्रोजेक्ट को विधायन की भूमि से तत्काल अन्य जगह के लिये स्थानान्तरित करे तथा विद्यालय भूमि पर पूर्व से स्वीकृत सी.एम. राईज विद्यालय का निर्माण शीघ्र प्रारम्भ करवाये, हम पार्टीगत रूप से निज स्तर तक इस प्रोजेक्ट का विरोध करेंगे।

अभाविवप के जिला संयोजक **गणेश शर्मा** ने विद्यालय की भूमि पर सीवर ट्रीटमेंट प्लांट लगाये जाने की कड़ी निंदा करते हुये कहा है कि कलेक्टर को भ्रमित कर बिना सही जानकारी दिये राजस्व विभाग द्वारा भूमि को अनुपयोगी बताकर कलेक्टर से भूमि स्थानान्तरित करवा ली गई है, बीच बस्ती में विद्यालय की भूमि पर पर सीवर ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जाना शासकीय

भीतर बैठकर ग्रामीणों के बीच योजना बनाने के बजाय सचिव और रोजगार सहायक निजी कंप्यूटर ऑपरेटरों से पोर्टल फीडिंग करा रहे हैं।

ग्रामीणों का आक्रोश मांगते हैं पानी, लिख देते हैं नाली : जिले के वनांचल और ग्रामीण इलाकों के लोगों का कहना है कि उठें पता ही नहीं चलता कि कब ग्राम सभा की कागजी बैठक हो गई। जब साल भर बाद किसी काम की मांग को लेकर वे ब्लॉक या जिला मुख्यालय पहुंचते हैं, तो जवाब मिलता है कि यह काम इस साल की कार्य योजना में शामिल ही नहीं है। ग्रामीणों की अनभिज्ञता का फायदा उठाकर जिम्मेदार नुमाइंदे अपनी जेबें भरने वाले प्रोजेक्ट्स को प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर चढ़ा देते हैं। इस पूरे खेल में सिर्फसरपंच और सचिव ही नहीं, बल्कि मॉनिटरिंग के लिए जिम्मेदार ब्लॉक और जनपद स्तर के तकनीकी व प्रशासनिक अधिकारी भी आंखें मूंदे बैठे हैं।

प्रशासनिक जवाबदेही पर बड़ा सवाल
15 सितंबर 2026 की समय-सीमा सिर पर है। अब देखना यह है कि क्या जिला प्रशासन और पंचायत विभाग के आला अधिकारी इस खुली धांधली का संज्ञान लेते हुए मौके पर जांच दल भेजेंगे, या फिर हर बार की तरह इस बार भी 16वें वित्त आयोग की करोड़ों की राशि कागजी कार्य योजनाओं की भेंट चढ़कर भ्रष्टाचार के गर्त में समा जाएगी।



मोर डूंगरी नदी के तेज बहाव में बहा व्यक्ति

एनडीआरएफऔर प्रशासन का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 04 सितंबर। जिले की मोर डूंगरी नदी में एक व्यक्ति के तेज बहाव में बह जाने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और एनडीआरएफ की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई है और युद्ध स्तर पर बचाव कार्य शुरू कर दिया

गया है। नदी में बहे व्यक्ति की तलाश के लिए प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा लगातार सर्च और रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। बचाव दल द्वारा नदी के बहाव वाले क्षेत्रों में सघन तलाशी ली जा रही है ताकि व्यक्ति को जल्द से जल्द ढूंढा जा सके।

प्रशासन की आम जनता से अपील

इस हादसे के मद्देनजर जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से

मैना में लगा पशु चिकित्सा एवं बांझपन निवारण शिविर

आष्टा. मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना के अंतर्गत ग्राम मैना में जिला स्तरीय पशु चिकित्सा एवं बांझपन निवारण शिविर का आयोजन कर पशुओं के स्वास्थ्य, उपचार तथा योजनाओं की जानकारी दी गई. उपसंचालक डॉ. नीलेश देसाई ने पशुपालकों से योजनाओं का लाभ उठाने तथा पशुओं की नियमित देखभाल करने की अपील की. सरपंच श्रीमती रचना धीरज पटेल भी शिविर में उपस्थित थीं. शिविर में डॉ. नरेंद्र गुप्ता, डॉ. विनोद शुक्ला, डॉ. आरके शाव्या, एसएल हिन्डीलिया, प्रेम सिंह वर्मा, सतीश पाटीदार, सुमित कुमार, अभिषेक प्रजापति एवं भूरी मालवीय ने सहयोग प्रदान किया.

नियमानुसार भी सही नहीं है, उक्त स्थल पर पूर्व से ही विद्यालय संचालित है, हमारे छात्रो को सीवर ट्रीटमेंट प्लांट से स्वास्थ्ययत व शैक्षिक परेशानियाँ होंगी, को नगर हित में अन्य जगह स्थानान्तरित किया जावे।

किसान नेता **राधेश्याम मुण्डला** का कहना है कि जनता को बिना विधायन में लिये नगर के जनप्रतिनिधियों द्वारा विद्यालय की उस भूमि पर जिसमे सी.एम. राइज विद्यालय पूर्व से स्वीकृत होकर निर्माण किया जाना प्रस्तावित है, उस भूमि से उस विद्यालय पर जिसमे से हमारे क्षेत्र की अनेक प्रतिभाये जो सम्पूर्ण देश में नगर का नाम रोशन कर रही है, पर सीवर ट्रीटमेंट प्लान्ट स्वीकृत कराना हमारे जन प्रतिनिधियों की नगर विकास की मंशा पर संदेह उत्पन्न करता है, नगर परिषद शहर के बाहर अन्य स्थान पर भूमि का चयन कर सीवर ट्रीटमेंट प्लांट लगाये हमे कोई अपाति नही है, पर हमारे नौनिहाल छात्र जो देश का भविष्य है उनके स्वास्थ्य और शिक्षा से खिलवाड़ नही होने देंगे।



छोड़े जाने की मांग कर रहे हैं।

शुक्रवार को क्षेत्र में लगातार बारिश को देखते हुए किसानों से चर्चा एवं सलाह के पश्चात फिलहाल धरना स्थगित करने का निर्णय लिया गया। हालांकि, किसानों ने स्पष्ट किया कि धरना स्थगित हुआ है, मांग समाप्त नहीं हुई है। राधेश्याम मोणा मुंडला ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि चंबल मुख्य दाहिनी नहर में शीघ्र पानी नहीं छोड़ा गया तो किसानों के साथ पुनः आंदोलन शुरू किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा। उन्होंने

शुक्रवार को क्षेत्र में लगातार बारिश को देखते हुए किसानों से चर्चा एवं सलाह के पश्चात फिलहाल धरना स्थगित करने का निर्णय लिया गया। हालांकि, किसानों ने स्पष्ट किया कि धरना स्थगित हुआ है, मांग समाप्त नहीं हुई है। राधेश्याम मोणा मुंडला ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि चंबल मुख्य दाहिनी नहर में शीघ्र पानी नहीं छोड़ा गया तो किसानों के साथ पुनः आंदोलन शुरू किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा। उन्होंने



मोर डूंगरी नदी के तेज बहाव में बहा व्यक्ति

सतर्कता बरतने की अपील की है। प्रशासन ने सख्त निर्देश दिए हैं कि बारिश और जलभराव की स्थिति को देखते हुए लोग नदी, नालों और तेज बहाव वाले जलस्रोतों से पूरी

तरह दूर रहें। साथ ही, अपनी सुरक्षा के लिए प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी किए जा रहे निर्देशों का कड़ाई से पालन करें।

अधिकारियों की निगरानी में चल रहा रेस्क्यू
घटनास्थल पर प्रशासनिक अमला पूरी तरह से मुस्तैद है। रेस्क्यू कार्य की प्रत्यक्ष निगरानी के लिए अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, तहसीलदार दीपेश धाकड़ और कोतवाली टीआई (थाना प्रभारी) सहित नगर पालिका की टीम मौके पर मौजूद है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा स्थिति का जायजा लिया जा रहा है और बचाव दल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं।



बलराम जयंती और जन्माष्टमी पर रचनात्मक गतिविधियां आयोजित

नवभारत न्यूज
सबलगढ़, 4 सितम्बर। शासकीय नेहरू महाविद्यालय सबलगढ़ में बलराम जयंती श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं रक्षाबंधन के अवसर पर विभिन्न रचनात्मक एवं जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया कार्यक्रम जयंती और उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य परमानंद एवं वसुंधरा मैडम ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी प्रस्तुतियों की सराहना की आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया

काली पट्टी बांधकर होगा टीआईटी का विरोध

सीहोर 4 सितंबर. शिक्षक पात्रता परीक्षा टेक को लेकर शिक्षकों का विरोध तेज होता जा रहा है. राज्य शिक्षक संघ ने शिक्षक दिवस पर काली पट्टी बांधकर टेक परीक्षा के विरोध का ऐलान किया है. संघ का आरोप है कि सरकार द्वारा लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों को मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है.

संघ के जिलाध्यक्ष विश्वजीत त्यागी ने बताया किजिले के सैकड़ों शिक्षक दिल्ली में आयोजित धरना प्रदर्शन में शामिल हुए. संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर टेक परीक्षा से संबंधितविसंगतियों से अवगत कराया. शिक्षा मंत्री ने आश्वासन दिया कि जब तक परीक्षा से जुड़ी विसंगतियों का निराकरण नहीं किया जाता, तब तक परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी. इसके बावजूद शिक्षक संघ ने सरकार से स्पष्ट समाधान की मांग करते हुए आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया है.